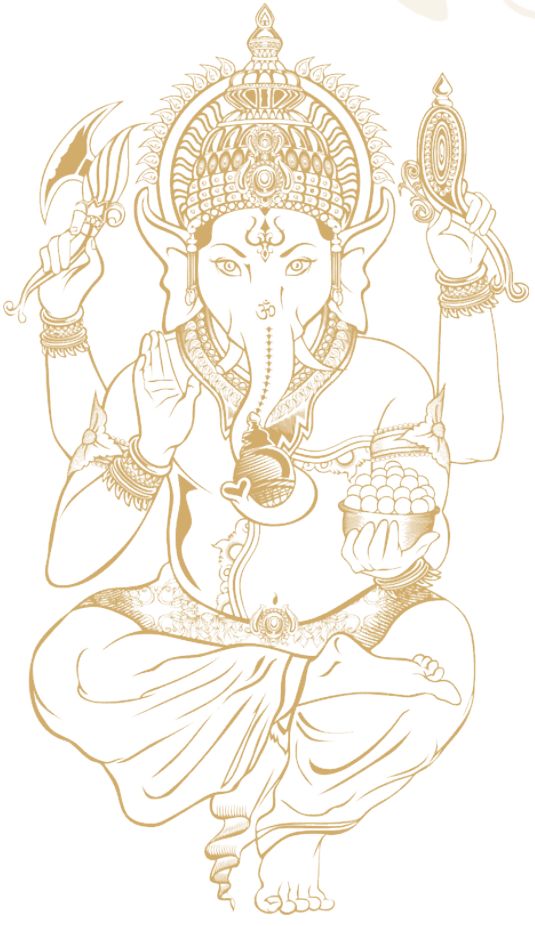

Mr.???? ?????

18 Jan 2000

11:40 AM

Giddarbaha

Model: web-freekundliweb

Order No: 119995602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/01/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:40:00 घंटे**
इष्ट	10:29:22 घटी
स्थान	**Giddarbaha**
देश	India

अक्षांश	30:12:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:08:40 घंटे
वेलान्तर	-00:10:11 घंटे
साम्पातिक काल	18:56:34 घंटे
सूर्योदय	07:28:15 घंटे
सूर्यास्त	17:55:05 घंटे
दिनमान	10:26:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:35:34 मकर
लग्न के अंश	26:30:33 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:30:33	507:05:06	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			मक	03:35:34	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	22:32:45	14:51:22	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कुंभ	17:05:42	00:46:24	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	मक	05:01:00	01:40:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	02:32:20	00:05:38	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	28:05:54	01:13:22	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			मेष	16:28:09	00:00:41	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:50:38	00:00:40	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:50:38	00:00:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	21:51:03	00:03:21	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:57:26	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:08:50	00:01:47	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			धनु	19:09:34	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:14

लग्न-चलित

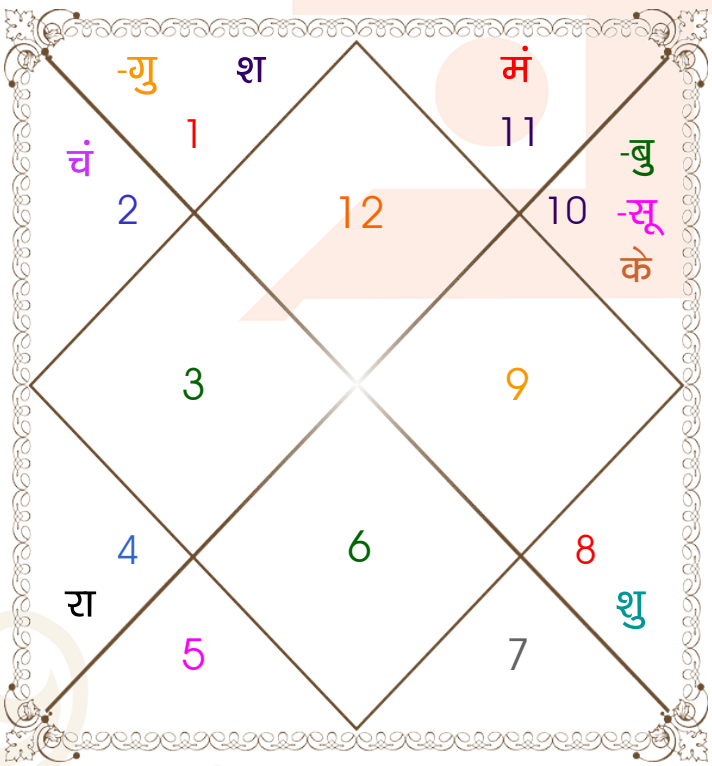

चन्द्र कुंडली

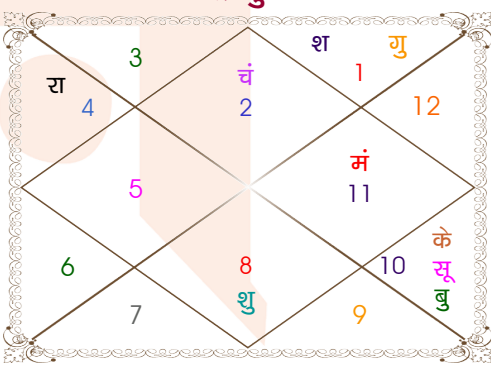

नवमांश कुंडली

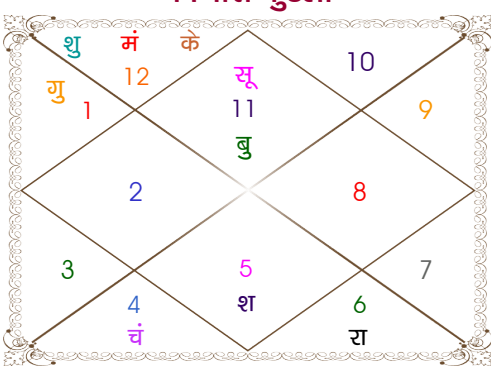

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 7 मास 2 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/01/2000		21/08/2000		21/08/2007		21/08/2025		21/08/2041	
21/08/2000		21/08/2007		21/08/2025		21/08/2041		21/08/2060	
	00/00/0000	मंगल	17/01/2001	राहु	04/05/2010	गुरु	09/10/2027	शनि	24/08/2044
	00/00/0000	राहु	04/02/2002	गुरु	26/09/2012	शनि	21/04/2030	बुध	04/05/2047
	00/00/0000	गुरु	11/01/2003	शनि	03/08/2015	बुध	27/07/2032	केतु	12/06/2048
	00/00/0000	शनि	20/02/2004	बुध	20/02/2018	केतु	03/07/2033	शुक्र	12/08/2051
	00/00/0000	बुध	16/02/2005	केतु	10/03/2019	शुक्र	03/03/2036	सूर्य	24/07/2052
	00/00/0000	केतु	15/07/2005	शुक्र	10/03/2022	सूर्य	20/12/2036	चंद्र	23/02/2054
	18/01/2000	शुक्र	15/09/2006	सूर्य	02/02/2023	चंद्र	21/04/2038	मंगल	03/04/2055
शुक्र	20/02/2000	सूर्य	20/01/2007	चंद्र	02/08/2024	मंगल	28/03/2039	राहु	07/02/2058
सूर्य	21/08/2000	चंद्र	21/08/2007	मंगल	21/08/2025	राहु	21/08/2041	गुरु	21/08/2060

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/08/2060		21/08/2077		21/08/2084		22/08/2104		22/08/2110	
21/08/2077		21/08/2084		22/08/2104		22/08/2110		00/00/0000	
बुध	17/01/2063	केतु	17/01/2078	शुक्र	21/12/2087	सूर्य	09/12/2104	चंद्र	23/06/2111
केतु	15/01/2064	शुक्र	19/03/2079	सूर्य	20/12/2088	चंद्र	10/06/2105	मंगल	22/01/2112
शुक्र	14/11/2066	सूर्य	25/07/2079	चंद्र	21/08/2090	मंगल	16/10/2105	राहु	23/07/2113
सूर्य	21/09/2067	चंद्र	23/02/2080	मंगल	21/10/2091	राहु	09/09/2106	गुरु	22/11/2114
चंद्र	19/02/2069	मंगल	21/07/2080	राहु	21/10/2094	गुरु	29/06/2107	शनि	22/06/2116
मंगल	17/02/2070	राहु	09/08/2081	गुरु	21/06/2097	शनि	10/06/2108	बुध	21/11/2117
राहु	05/09/2072	गुरु	16/07/2082	शनि	22/08/2100	बुध	16/04/2109	केतु	22/06/2118
गुरु	12/12/2074	शनि	25/08/2083	बुध	23/06/2103	केतु	22/08/2109	शुक्र	19/01/2120
शनि	21/08/2077	बुध	21/08/2084	केतु	22/08/2104	शुक्र	22/08/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 7 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।